IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, March 2024

प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा एवं विज्ञान

डॉ. एस. एस. गौतम

प्राध्यापक (संस्कृत)
शासकीय छत्रसाल महाविद्यालय पिछोर, जिला शिवपुरी (म.प्र.)
ssgautam1967@gmail.com

संस्कृत साहित्य के संबंध में प्राय: यह धारणा रही है कि अध्यात्म पूजा, कर्मकाण्ड, धार्मिक सिद्धांत, जीव-ब्रह्म, आत्मा मोक्ष इत्यादि विषयों के साथ साथ काव्य के माध्यम से पाठकों का रंजन करना ही ध्येय होगा। इस शोधालेख के माध्यम से उक्त भ्रम को कम करने का उपक्रम करते हुए संस्कृत साहित्य में वर्णित वैज्ञानिक अनुसंधानों का उल्लेख करने का लघु प्रयास किया जा रहा है।

कुञ्जी शब्द – अत्रि, गर्ग, शौनक, शुक्र, चाक्रायण, घुंडीनाथ, नंदीश, दीर्घतमस, शिल्पशास्त्र, रथशास्त्र, वेश्मशास्त्र, बालसंगोपन, शिखिग्रीवा, काष्ठपांशु, दस्तलोष्ट, मित्रवरूण, प्रतिबन्धक वस्त्र, इलेक्ट्रोप्लेटिंग, शुशक्त, उत्क्षेपण, अवक्षेपण, आकुञ्चन, प्रसारण, गमन, नोदन, गुरूत्व, द्रवत्व, स्पर्शवद्, क्वचित्, मोशन, वंगसीसा, निरावलम्ब।

सन्दर्भ –

1. सांख्यकारिका – 9
2. वेदान्तसार – 30
3. भृगुसंहिता – 3
4. अगस्त्यसंहिता
5. अगस्त्यसंहिता 2
6. अगस्त्यसंहिता 3
7. भारत विज्ञान की उज्जवल परम्परा पृ. 33
8. शुक्रनीति
9. अगस्त्यसंहिता 5
10. भारत में विज्ञान की उज्जवल परम्परा पृष्ठ-35

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, March 2024

11. त्वधोमुखं सिद्धान्त शिरोमणि के गोलाध्याय श्लोक 53, 54, 55, 56
12. रसार्णव 7/138 – 142
13. रसरत्नाकर 6/3
14. रसार्णव 7/89-90
15. बृहत्संहिता
16. ऋग्वेद 1-79-9
17. ऋग्वेद 1-50-9
18. ऋग्वेद सायणभाष
19. सिद्धान्त शिरोमणि गोलाध्याय भुवनकोष-5
20. सिद्धान्त शिरोमणि गोलाध्याय भुवनकोष-6
21. आर्यभट्टीय 37
22. मेघदूत पूर्व मेघ-5